

बालाजी मेरी डग मग नाव डोल रही भजन लिरिक्स



बालाजी मेरी डग मग नाव डोल रही,
कद सी पार लगाओगे,
कद सी पार लगाओगे,
बालाजी मेरी डग मग नाव डोल रही,
कद सी पार लगाओगे।

मन्नै न्युए व्यर्था उम्र गुजारी,
ना भक्ति की बात बिचारी,
कब मुझको समझाओगे,
बालाजी मेरी डग मग नाव डोल रही,
कद सी पार लगाओगे।

मैं पापी मुख अज्ञानी,
बण क रह्या सदा अभिमानी,
कद अभिमान मिटाओगे,
बालाजी मेरी डग मग नाव डोल रही,
कद सी पार लगाओगे।

कर कर क ने तेरा मेरा,
बालाजी नाम भुल गया,
तेरा कद याद दिलाओगे,
बालाजी मेरी डग मग नाव डोल रही,
कद सी पार लगाओगे।

‘नरैन्द्र कौशिक’ तनै समझावः,
फौजी सुरेश क्युं पाप कमाव,
करणी का फल पाओगे,
बालाजी मेरी डग मग नाव डोल रही,
कद सी पार लगाओगे।

बालाजी मेरी डग मग नाव डोल रही,
कद सी पार लगाओगे,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



कद सी पार लगाओगे,
बालाजी मेरी डग मग नाव डोल रही,
कद सी पार लगाओगे।

गायक – नरेन्द्र कौशिक ।
भजन प्रेषक – राकेश कुमार जी,
खरक जाटान(रोहतक)
(9992976579)
